POLITICAL SCIENCE Dept.
B.A-III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

आदेश की एकता (Unity of command)

आदेश की एकता का तात्पर्य है संगठन में एक अधिकारी को अपने निकटतम एक ही उच्चाधिकारी से आदेश प्राप्त हो और वह उसी के प्रति उत्तरदायी हो। कार्य की स्पष्टता और उत्तरदायित्व को निर्धारित करने के लिए आदेश की एकता एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। यदि एक कार्य के लिए एक अधिकारी को दो भिन्न उच्चाधिकारियों से पृथक-पृथक आदेश प्राप्त हो तो वह ठीक से सेवा नहीं दे पाएगा तथा उलझ कर रह जाएगा।

फेयोल ने आदेश की एकता के सिद्धांत को अच्छे प्रबन्ध के लिए आवश्यक बताया है। आदेश की एकता में आदेश का स्रोत एक ही होता है जिससे एक ही अधिकारी के नियंत्रण और निरीक्षण में एक अधीनस्थ कर्मचारी होता है।

यद्यपि लोंगनेकर ने आदेश की एकता का खण्डन करते हुए कहा है कि कार्य विभाजन की अस्पष्टता के कारण एक अधिकारी समान स्तर के अधिकारियों के प्रति एक साथ उत्तरदायी होता है।

साइमन का मानना है कि जब दो शक्तिपुञ्ज आज्ञाओं का टकराव हो जाए तो ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसकी आज्ञा का पालन अधीनस्थ करें। इस प्रकार आदेश की एकता प्राप्त की जा सकती है।